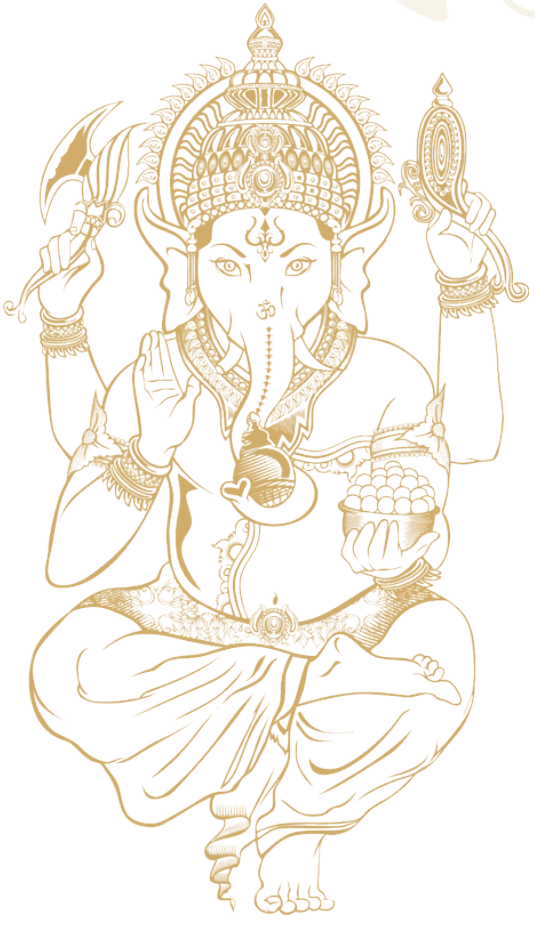

Yashika

23 Nov 2006

05:30 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121829802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22-23/11/2006**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	56:34:20 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:07:56 घंटे
वेलान्तर	00:13:58 घंटे
साम्पातिक काल	09:15:15 घंटे
सूर्योदय	06:52:15 घंटे
सूर्यास्त	17:23:59 घंटे
दिनमान	10:31:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:35:33 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:12:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	धृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:12:44	306:22:49	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	06:35:33	01:00:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	00:56:08	12:58:52	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	तुला	26:47:50	00:41:44	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			तुला	17:08:17	00:45:22	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु		अ	वृश्चि	05:46:48	00:13:21	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	13:09:32	01:15:20	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			सिंह	00:57:23	00:01:28	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	28:48:03	00:12:05	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	28:48:03	00:12:05	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:51:32	00:00:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:14:55	00:00:50	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	01:39:01	00:02:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	22:24:04	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:13

लग्न-चलित

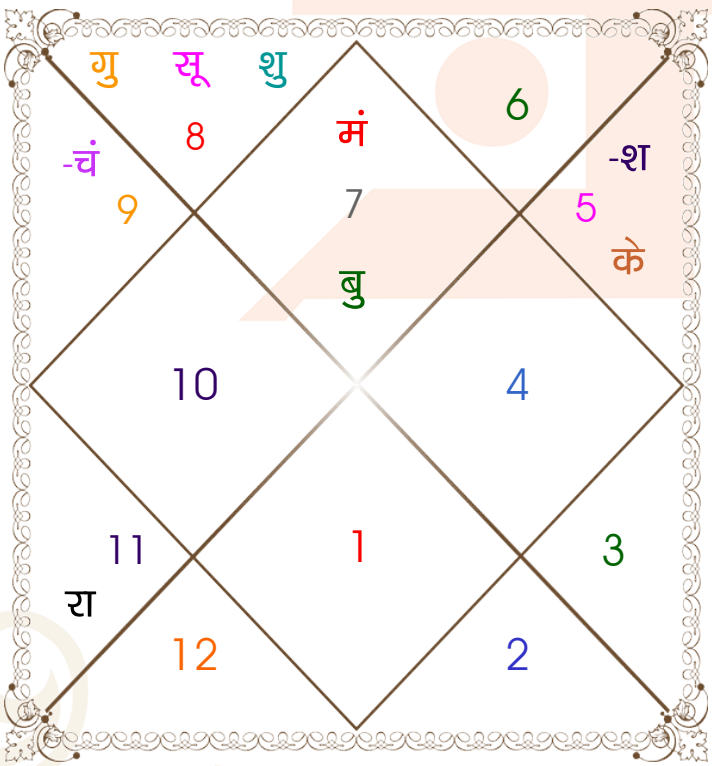

चन्द्र कुंडली

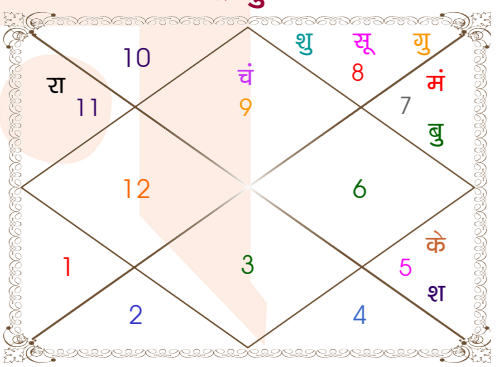

नवमांश कुंडली

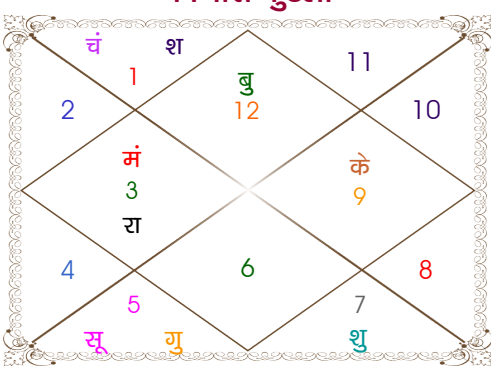

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 6 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/11/2006		27/05/2013		27/05/2033		28/05/2039		27/05/2049	
27/05/2013		27/05/2033		28/05/2039		27/05/2049		27/05/2056	
	23/11/2006	शुक्र	26/09/2016	सूर्य	14/09/2033	चंद्र	27/03/2040	मंगल	23/10/2049
शुक्र	24/12/2007	सूर्य	26/09/2017	चंद्र	15/03/2034	मंगल	26/10/2040	राहु	11/11/2050
सूर्य	29/04/2008	चंद्र	28/05/2019	मंगल	21/07/2034	राहु	27/04/2042	गुरु	18/10/2051
चंद्र	29/11/2008	मंगल	27/07/2020	राहु	15/06/2035	गुरु	27/08/2043	शनि	25/11/2052
मंगल	27/04/2009	राहु	27/07/2023	गुरु	02/04/2036	शनि	27/03/2045	बुध	23/11/2053
राहु	15/05/2010	गुरु	27/03/2026	शनि	15/03/2037	बुध	27/08/2046	केतु	21/04/2054
गुरु	21/04/2011	शनि	27/05/2029	बुध	20/01/2038	केतु	28/03/2047	शुक्र	21/06/2055
शनि	30/05/2012	बुध	27/03/2032	केतु	27/05/2038	शुक्र	25/11/2048	सूर्य	27/10/2055
बुध	27/05/2013	केतु	27/05/2033	शुक्र	28/05/2039	सूर्य	27/05/2049	चंद्र	27/05/2056

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/05/2056		27/05/2074		27/05/2090		28/05/2109		28/05/2126	
27/05/2074		27/05/2090		28/05/2109		28/05/2126		00/00/0000	
राहु	07/02/2059	गुरु	15/07/2076	शनि	30/05/2093	बुध	25/10/2111	केतु	24/10/2126
गुरु	03/07/2061	शनि	26/01/2079	बुध	07/02/2096	केतु	21/10/2112	शुक्र	24/11/2126
शनि	09/05/2064	बुध	03/05/2081	केतु	18/03/2097	शुक्र	22/08/2115		00/00/0000
बुध	26/11/2066	केतु	09/04/2082	शुक्र	19/05/2100	सूर्य	27/06/2116		00/00/0000
केतु	14/12/2067	शुक्र	08/12/2084	सूर्य	01/05/2101	चंद्र	27/11/2117		00/00/0000
शुक्र	14/12/2070	सूर्य	26/09/2085	चंद्र	30/11/2102	मंगल	24/11/2118		00/00/0000
सूर्य	08/11/2071	चंद्र	26/01/2087	मंगल	09/01/2104	राहु	12/06/2121		00/00/0000
चंद्र	09/05/2073	मंगल	02/01/2088	राहु	15/11/2106	गुरु	18/09/2123		00/00/0000
मंगल	27/05/2074	राहु	27/05/2090	गुरु	28/05/2109	शनि	28/05/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 6 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।